>

Title: Need to provide minimum wages to Aanganwadi workers in Jharkhand and regularize their services.

श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय (गिरिडीह): झारखंड राज्य के अंतर्गत आंगनबाड़ी सेविका/सहायिका की संख्या लगभग् 30 हजार से अधिक है जो ग्रामीण क्षेत्र समाज के उपेक्षित वर्ग के बच्चों भविष्य निर्माण हेतु शिक्षा एवं देख रेख का कार्य करती है । इतना ही नहीं, ये जनगणना एवं स्वास्थ्य संबंधी कई सामजिक कार्यों में भी हिस्सा लेती है । इनके बच्चों का भविष्य अंधकारमय है, क्योंकि इनका मानदेय सरकार द्वारा प्रदत्त राशि एवं न्यूनतम मजदूरी के बराबर भी नहीं है । इनके द्वारा इस संदर्भ में विभिन्न स्तर पर विभिन्न संगठनों द्वारा सरकारी कर्मचारी घोषित किए जाने हेतु आंदोलन एवं मांग की जाती रही है ।

अतः भारत सरकार से मेरा आग्रह है कि इन सेविकाओं/सहायिकाओं को सरकार द्वारा कम से कम निर्धारित न्यूनतम मजदूरी दी जाए एवं इन्हें सरकारी कर्मचारी के रूप में स्थायी नियुक्ति की जाए ।